2 फरीदाबाद
प्रॉपर्टी आईडी : समस्या दूर करने के बहाने कंपनी को क्लीन चिट देने की तैयारी?
6 अभिमत
हमारे प्रेरणास्रोत डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
9 देश/विदेश
एग्जिट पोल में बहुमत मिलने की संभावना से फूली नहीं समा रही गुजरात भाजपा
11 सेहत
भारत में स्ट्रोक से हर साल होती हैं 60 लाख मौतें
RNI NO. HARHIN/2018/7
फरीदाबाद, बुधवार, 07 दिसंबर,
फरीदाबाद, नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित
पायनियर
ई-पेपर www.pioneerhindi.com पर पढ़िए YouTube सब्सक्राइब करें Pioneer Haryana

ब्राजील फुटबॉल वर्ल्ड कप के क्वार्टर फाइनल में पहुंची
पेज - 12

आंतरिक शक्ति के विकास द्वारा भाग्य निर्धारण पर वार्ता

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

अग्रवाल महाविद्यालय बल्लभगढ़ के होलिस्टिक वैलबीइंग एंड सोलफुल वैलनेस सेंटर व ब्रह्माकुमारीज संस्था के संयुक्त तत्वावधान में छह दिसंबर को डिजाइन योर डेस्टिनी– डेवलपिंग इनर पावर शीर्षक से एक विशेष वार्ता आयोजित की गई।

सर्वप्रथम अग्रवाल महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. कृष्ण कांत गुप्ता ने मुख्य वक्ता व अतिथियों को पौधा भेंट कर उनका स्वागत किया। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता बीके सोनिका बहन, (राजयोग शिक्षिका, गुरुग्राम) रही। सम्मानीय अतिथि बीके सुशीला बहन, (वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका व मेडिटेशन सेंटर इंचार्ज बल्लभगढ़) रही। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि बीके ज्योति भाई, बीके हरि किशन भाई रहे। कार्यक्रम का आरंभ अग्रवाल महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. कृष्ण कांत गुप्ता जी के स्वागत संबोधन से हुआ। उन्होंने कहा कि जीवन में खुश रहना, शुक्राना, बुरा

ना सोचना व दृढ़ संकल्प जैसे मंत्रों को आत्मसात कर हम अपने भाग्य को निर्धारित कर सकते हैं और अपने कर्मों के खाते के विधाता स्वयं बन सकते हैं। वहीं मुख्य वक्ता बीके सोनिका ने अपने भाग्य और भविष्य को कैसे डिजाइन किया जाए इस विषय में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि भाग्य का रोना रोने की बजाए हमें कर्म प्रधान बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि हम संकल्प व अनुशासन के साथ आगे बढ़ें तो कोई भी कार्य असंभव नहीं है और हमारी भावनात्मक, आध्यात्मिक और बौद्धिक भागफल में मजबूती होती है और यह सब हमें समग्र विकास की ओर ले जाता है और हम पूर्ण कल्याण के लिए स्वयं को सर्वशक्तिमान के साथ संरेखित कर सकते हैं।